PAPER-III
PÂLI (LANGUAGE AND LITERATURE)

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
   (Name) _____
2. (Signature) _____
   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J 8 3 1 1

Time : **2 1/2** hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

PĀLI (LANGUAGE AND LITERATURE)
पालि (भाषा एवं साहित्य)

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : (i) This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

(ii) Candidates are required to attempt all the questions in Pāli.

नोट : (i) यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

(ii) अभ्यर्थी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी प्रश्नों के उत्तर पालि भाषा में दे ।

सङ्केतो : (i) इमस्स **पञ्हपण्णस्स** अङ्कानि **द्वे** सतानि **चतूसु** कण्डेसु विभत्तानि च होन्ति । इमेसु कण्डेसु समाहितानं **पञ्हानं** उत्तरं पच्चेककण्डस्स निद्देसानुसारं विसज्जनीयं ।

(ii) सब्बपञ्हानं उत्तरं पालिभासायं दातुं अपेक्खितं ति.

SECTION – I

खंड – I

पठमो कण्डो

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each. Each question should be answered in **five hundred (500)** words in Pāli language.

(2 × 20 = 40 marks)

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पालि भाषा में लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

सङ्केतो : इमस्मिं कण्डे **बीसति-बीसति (20 × 20)** अङ्कानं **द्वे** निबन्धात्मका **पञ्हा** सन्ति । पच्चेकपञ्हस्स उत्तरं पालिभासायं पञ्चसतानि सद्देसु लेखनीयं । **(2 × 20 = 40 अंङ्का)**

1. Dhammo have Rakkhati Dhammacārī.
   धम्मो हवे रक्खति धम्मचारी ।

   OR / अथवा

   Sādhu Sīlena Saṁyutto.
   साधु सीलेन संयुत्तो ।

2. Nibbānaṁ Paramaṁ Sukhaṁ.
निब्बाणं परमं सुखं ।

OR / अथवा

Na Jaccā Vasalo Hoti.
न जच्चा वसलो होति ।

SECTION – II
खंड – II
दुतियो कण्डो

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each. Each question should be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

सङ्केतो : इमस्मिं कण्डे **पन्नरस-पन्नरस (15-15)** अङ्कानं **तिण्णं पञ्हा** सन्ति । पच्चेकपञ्हस्स उत्तरं **तिसतेसु (300)** सद्देसु अपेक्खितं । **(3 × 15 = 45 अङ्का)**

3. Discuss the contribution of Ānanda in strengthening Buddhism.
बौद्ध धर्म को सशक्त बनाने में आनन्द का क्या योगदान रहा है ? स्पष्ट कीजिए ।

4. Write the process and importance of Tisaraṇa.
तिसरण की प्रक्रिया और उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

5. Discuss the theory of 'Akiriyāvāda.
'अकिरियावाद' सिद्धान्त पर चर्चा कीजिए ।

SECTION – III

खंड – III

ततियो कण्डो

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each. Each question should be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

सङ्केतो : इमस्मिं कण्डे **दस-दस (10-10)** अङ्कानं **नव (9) पञ्हा** सन्ति । पच्चेकपञ्हस्स उत्तरं **पञ्ञास (50)** सद्देसु आकङ्खितं । **(9 × 10 = 90 अङ्का)**

6. Explain "Katame Dhammā Kusalā."
"कतमे धम्मा कुसला" इसे स्पष्ट कीजिए ।

7. Write a note on Kāraka with examples.
कारक को सोदाहरण समझाइए ।

8. Define the word 'Vaṃsa' with a note on 'Dipavaṃsa'.
'वंस' की परिभाषा देते हुए 'दीपवंस' पर एक टिप्पण लिखिए ।

9. Show the difference between the State of Arahatta and Nibbāna.
अर्हत्व और निब्बाण की स्थिति में क्या अन्तर है ? इसे स्पष्ट कीजिए ।

10. Write the central idea of Yamaka Vaggo.
यमक वग्ग के सार तत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

11. Define the term 'Bhūta Rūpa' and explain the concept.

"भूत रूप" को स्पष्ट करते हुए उसके सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए ।

12. Enumerate the constituents of 'Paticcasammupāda' in both 'Anuloma' and 'Paṭiloma' on the basis of 'Bodhikathā.'
'बोधिकथा' के आधार पर 'पटिच्चसमुप्पाद' के अनुलोम-पटिलोम से सम्बद्ध अंगों को गिनाइए ।

13. Give a short account of 'Cūl-sīla'.
'चूलसील' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

14. Differentiate between 'Dassanena pahātabba dhammā' and 'Bhāvanāya pahātabbā dhammā.

"दस्सनेन पहातब्ब धम्मा" एवं "भावनाय पहातब्ब धम्मा" में प्रतीत अन्तर को स्पष्ट कीजिए ।

SECTION – IV

खंड – IV

चतुत्थो कण्डो

Note : This section contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and each carries **five (5)** marks. **(5 × 5 = 25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

सङ्केतो : इमस्मिं कण्डे अधोलिखितं अनुच्छेदं आरब्भ **पञ्च पञ्हा** सन्ति । पच्चेक-पञ्हस्स उत्तरं परितं **तिंसति (30)** सद्देसु आकङ्खितं ति । पच्चेकपञ्हस्स **पञ्च** अङ्का निद्धारिता । **(5 × 5 = 25 अङ्का)**

Jambudīpe Kira pubbe pāṭaliputta nagare sattāsīti-koṭi-nihita-dhammaṃ ekaṃ setthikulaṃ ahosi. Tassa pana setthino ekā yeva dhītā ahosi-nāmena buddhenī nāma. Tassā satta-vassika-kāle mātā-pitaro Kālamakaṁsu. Tasmiṁ kule sabbaṃ sāpateyyaṃ tassā yeva ahosi.

Sā kira abhirūpā pāsādikā paramāya vaṇṇapokkharatāya samannāgata devaccharā – paṭibhāgā piyā ca ahosi manāpā saddhā pasannā ratanattyamāmikā paṭi-vasati. Tasmiṁ pana nagare setthi-senāpati-uparājādayo taṃ attano pādaparikattaṁ Kāmayamānā manusse pesesuṃ paṇṇākārehi saddhiṃ. Sā taṃ sutvā cinteni : – mahyaṃ mātā-pitaro sabbaṃ vibhavaṃ pahāya māta. Mayā pi tathā gantabbaṃ. Kiṃ me patikūlena. Kevalaṃ cittavināsāya bhavati. Mayā pana imaṃ dhanaṃ buddha-sāsane yeva nidahituṃ vaṭṭati ti cintesi. Cintetvā ca pana tesaṁ mahyaṁ patikūlena attho ti paṭikhipi.

Sā tato paṭṭhāya mahādānaṃ pavattenti. Samaṇa-brāhmaṇe Santappesi.

Atha aparabhāge eko assavāṇijako assavāṇijjāya pubbanta-aparantaṃ gacchanto āgamma imasmiṃ gehe nivāsaṃ gaṇhi. Atha so vāṇijo taṃ disvā dhitu-snehaṃ patiṭṭhāpētvā gandha-mālā-vattha-ālaṅkārādīhī tassā upakārako hutvā gamanakāle – "amma etesu assesu tava ruccanakaṃ assaṃ gaṇhāhī" ti āha.

Sā pi ass oleketvā ekaṃ sindhavapotakaṃ disvā "etaṃ me dehi" ti āha.

Vāṇijo – "Amma eso sindhava – potako. Appamattā hutvā paṭijaggāhī" ti vatvā taṃ patipādetvā agamāsī.

Sā pi taṃ paṭijaggamānā ākāsa-gāmī-bhāvaṁ ñatvā sammā paṭi jagganti evaṃ cintesi-puññakaraṇassa me sahāyo laddho ti agatapubbā ca me bhagavato sakalaṃ mārabalaṃ vidhāmetvā buddhakhūtassa jaya-mahā bodhibhūmi. Yannūnāhaṃ tattha gantvā bhagavato jayamahābodhiṃ vande yaṃ ti cintetvā bahū rajata-suvaṇṇa-mālādayo

Kārāpetvā ekadivasaṃ assaṃ abhirudhya ākāsena gantvā bodhimālake ṭhatvā-agacchantu ayya suvaṇṇamālā pūjetuṃ ti uggahosi.

Tato-ppabhuti sā kumārikā buddha sāsane ativa pasannā niccameva assamabhiruhya āgantvā aṅyehi saddhiṃ mahābodhiṃ suvaṇṇamālābhi pūjetvā gacchati.

Atha paṭaliputta-nagaropavane vanacārī tassā abhiṇhaṃ gacchantiyā ca agacchantiyā ca rūpasampattiṃ disvā rañño kathesuṃ. "Mahārāja, evarūpā kumārikā assaṃ abhiruhya āgantvā nibandhaṃ vanditvā gacchati. devassānurūpaṃ aggamahesi bhavituṃ" ti.

Rājā taṃ sutvā "tena hi bhane gaṇhatha naṃ kumāriṃ. Mama aggamahesiṃ Karomī" ti purise payojesi.

जम्बुदीपे किर पुब्बे पाटलिपुत्तनगरे सत्तासीतिकोटि-निहित-धम्मं एकं सेट्ठिकुलं अहोसि । तस्स पन सेट्ठिनो एका येव धीता अहोसि – नामेन बुद्धेनी नाम । तस्सा सत्त-वस्सिक-काले माता-पितरो कालमकंसु । तस्मिं कुले सब्बं सापतेय्यं तस्सा येव अहोसि ।

सा किर अभिरूपा पासाटिका परमाप वण्णपोक्खरताय समन्नागता देवच्छरा-पटिभागा पिया च अहोसि मनापा सद्धा पसन्ना रतनत्तयमामिका पटिवसति । तस्मिं पन नगरे सेट्ठिसेनापति-उपराजादयो तं अत्तनो पादपरिकत्तं कामयमाना मनुस्से पेसेसुं पण्णाकारेहि सद्धिं । सा तं सुत्वा चिन्तेसि :- मह्यं मातापितरो सब्बं विभवं पहाय माता । मया पि तथा गन्तब्बं । किं मे पतिकुलेन । केवलं चित्त-विनासाय भवति । मया पन इमं धनं बुद्ध-सासने येव निदहितुं वट्टती ति चिन्तेसि । चिन्तेत्वा च पन तेसं मह्यं पतिकुलेन अत्थो ति पटिक्खिपि ।

सा ततो पट्ठाय महादानं पवत्तेन्ति समण-ब्राह्मणे सन्तप्पेसि ।

अथ अपरभागे एको अस्सवाणिजको अस्स-वाणिज्जाय पुब्बन्त-अपरन्तं गच्छन्तो आगम्म इमस्मिं गेहे निवासं गण्हि । अथ सो वाणिजो तं दिस्वा धीतु-सिनेहं पतिट्ठापेत्वा गन्ध-माला-वत्थ-अलंकारादी ही तस्सा उपकारको हुत्वा गमनकाले – "अम्म एतेसु अस्सेसु तव रुच्चनकं अस्सं गण्हाही" ति आह ।

सा पि अस्से ओलोकेत्वा एकं सिन्धवपोतकं दिस्वा "एतं मे देही" ति आह ।

वाणिजो – "अम्म एसो सिन्धवपोतको । अप्पमत्ता हुत्वा पटिजग्गाही" ति वत्वा तं पटिपादेत्वा अगमासी ।

सा पि तं पटिजग्गमाना आकास-गामी-भावं ञत्वा सम्मा पटिजग्गन्ती एवं चिन्तेसि-पुञ्ञकरणस्स मे सहायो लद्धोति अगतपुब्बा च मे भगवतो सकलं मारबलं विश्वामेत्वा बुद्धभूतस्स जय-महा बोधिभूमि । यन्नूनाहं तत्थ गन्त्वा भगवतो जयमहाबोधिं वन्देय्यं ति चिन्तेत्वा बहु रजत-सुवण्ण-मालादयो कारापेत्वा एक दिवसं अस्सं अभिरुह्थ आकासेन गन्त्वा बोधिमालके ठत्वा-आगच्छन्तु अय्य सुवण्णमाला पूजे तुं ति उग्गहोसि ।

ततो-प्पभुति सा कुमारिका बुद्ध-सासने अतीव पसन्ना निच्चमेव अस्समभिरुह्य आगन्त्वा अरियेहि सद्धिं महाबोधिं सुवण्णमालाभि पूजेत्वा गच्छति ।

अथ पाटलिपुत्त-नगरोपवने वनचारी तस्सा अभिण्हं गच्छन्तिया च अगच्छन्तिया च रूप सम्पत्तिं दिस्वा दञ्ञो कथेसुं । "महाराज, एवरूपा कुमारिका अस्सं अभिरुह्थ आगन्त्वा निबन्धं वन्दित्वा गच्छति । देवस्सानुरूपं अग्गमहेसि भवितुं" ति ।

राजा तं सुत्वा "तेन हि भगे गण्हथ नं कुमारिं । मम अग्गमहेसिं करोमी" ति पुरिसे पयोजेसि ।

15. In what way Buddhenī wanted to utilize the wealth ?
बुद्धेनी ने अपनी सम्पत्ति का उपयोग किस प्रकार करने का विचार किया ?

16. What do you understand by the term "Pubbanta-Aparanta" ?
"पुब्बन्त-अपरन्त" शब्द से आप क्या समझते हैं ?

17. What did the horse-trader offer Buddhenī ?
अश्व व्यापारी ने बुद्धेनी से क्या ग्रहण करने के लिए निवेदन किया ?

18. Explain grammatically the word "Yannūnāhaṃ" ?
"यन्नूनाहं" शब्द पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए ।

19. Who informed King about Buddheni and what the King had asked to do ?
बुद्धेनी के विषय में राजा को किसने सूचित किया और राजा ने क्या करने की आज्ञा दी ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....